स्नातक कार्यक्रम

बी.ए. संस्कृत (सामान्य) कार्यक्रम

**BAASK/BAG(Sanskrit)BAM**

पाठ्यक्रम **-BSKC** -131 **संस्कृत पद्य साहित्य**

# सत्रीय कार्य

(जनवरी, **2026** एवं जुलाई, **2027** सत्रों के लिए)

**BSKC** -131 **संस्कृत पद्य साहित्य**

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- **110068**

# स्नातक कार्यक्रम

## सत्रीय कार्य (2025-26)

पाठ्यक्रम शीर्षक- संस्कृत पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC -131/2026-27**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है। सत्रीय कार्य के लिए **100** अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

**1.)** अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

**2.)** बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

---

अनुक्रमांक : ..................

नाम : .........................

पता : .........................

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ...............

सत्रीय कार्य कोड : ........................

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ................

दिनाँक : ..............

## सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

**1.** अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए ।

**2.** अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क ) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख ) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

**3.** प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

---

**नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।**

-----------------------------------------------------------------------------------------------------------

**सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ:**

**जनवरी, 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026**

**जुलाई, 2026 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2027**

# सत्रीय कार्य

**BSKC -131**

**संस्कृत पद्य साहित्य**

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC -131**
पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत पद्य साहित्य
सत्रीय कार्य : **BSKC -131/TMA/2026-27**

**पूर्णांक : 100**

**नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : -**

**भागक-**

**(क) व्याख्या आधारित प्रश्न : -**

**1. अधोलिखित श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए-** 15X3=45

**क-** मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम् ।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्वाहुरिव वामनः ।।

अथवा

आकारसदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः ।
आगमैः सदृशारम्भः आरम्भसदृशोदयः । ।

**ख-** विपक्षमखिलीकृत्य प्रतिष्ठा खलु दुर्लभा ।
अनीत्वा पङ्कतां धूलिमुदकं नावतिष्ठते ।।

अथवा

अङ्काधिरोपितमृगश्चन्द्रमा मृगलांछनः।
केशरी निष्ठुरक्षिप्तमृगयूथो मृगाधिपः ।।

**ग-** शिरः शार्वं स्वर्गात्पशुपतिशिरस्तः क्षितिधरं
महीध्रादुत्तुङ्ङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम् ।
अधोऽधो गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा
विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः । ।

अथवा

अधिगतपरमार्थान् पण्डितान् मावमंस्थाः

तृणमिव लघु लक्ष्मीर्नैव तान्संरुणद्धि।

अभिनवमदलेखाश्यामगण्डस्थलानां

न भवति बिसतन्तुर्वारणं वारणानाम् ।।

**भाग ख -**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

नोट निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग :700 शब्दों में लिखिए। 2x15 = 30

2. • धर्मराज युधिष्टिर का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

शिशुपाल का चरित्रचित्रण कीजिए- ।

3. श्रीहर्ष का जीवन और उनके शैलीगत वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

अथवा

'रघुवंश' महाकाव्य के आधार पर सुदक्षिणा का चरित्र चित्रण कीजिये

**भाग- ग**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग :200 शब्दों में लिखिए। 5X5=25

4. 'रघुवंश' महाकाव्य के आधार पर सीता की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5 नीतिशतकम् का परिचय लिखिए।

6. भर्तृहरि का जीवन परिचय लिखिए |

7. शिशुपालवधम् महाकाव्य की कोई दो सूक्तियां लिखकर स्पष्ट कीजिये ।

8. 'माघे सन्ति त्रयो गुण:' को स्पष्ट कीजिए ।

9. नीतिशातक ' के आधार पर 'सर्वोत्तम धन ' को स्पष्ट करें ।

10. 'शिशुपालवध' महाकाव्य के आधार पर प्रकृति का वर्णन कीजिए।